सरिसा में काला हरिण मारा गया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सरिसा ज़िले के जंडवाला बिश्नोईयाँ गाँव** में काले हरिण के शिकार की घटना से बिश्नोई समुदाय में आक्रोश बढ़ गया है।

- वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिये जाना जाने वाला यह समुदाय, लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा तथा उनके अवैध शिकार को रोकने के लिये **सख्त कार्रवाई** की मांग कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **घटना का परिचय:**
  - 23 दिसंबर, 2024 को एक **पाँच वर्षीय नर काले हरिण का शव** पाया गया, जिसमें कटे हुए निशान थे, जो अवैध शिकार की ओर संकेत करते हैं।
  - पशु चिकित्सक ने पोस्टमार्टम किया, जिसमें एक छिद्रित घाव को अवैध शिकार के साक्ष्य के रूप में पहचाना गया।
    - इस क्षेत्र में नीलगाय और बछड़ों जैसे अन्य जानवरों का भी अवैध शिकार किया गया होगा।
- **संरक्षण संबंधी चिंताएँ:**
  - स्थानीय संरक्षणकर्त्ता इस क्षेत्र में काले हरिणों की घटती जनसंख्या से चिंतित हैं।
  - **अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने जंडवाला बिश्नोईयान, गंगा और भाऊखेड़ा** जैसे गाँवों में वन्यजीवों पर **वर्ष 2017 में अभयारण्यों की अधिसूचना रद्द करने के प्रभाव पर** प्रकाश डाला।
  - अधिसूचना रद्द होने के बाद से **काले हरिणों और चिंकारा** हरिणों की आबादी में काफी कमी आई है।
  - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की **धारा 9, 39, 49, 51 और 54** के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कृष्णमृग

//

- **परिचय:**
  - काला हरिण (एंटीलोप सर्विकाप्रा) या **भारतीय मृग, भारत और नेपाल में पाई जाने वाली मृग की एक प्रजाति है।**
    - यह **राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा** और प्रायद्वीपीय भारत के अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से वितरित है।
  - इसे **घास के मैदान का प्रतीक माना जाता है।**

- काला **हिरण एक दिनचर मृग है** (मुख्यतः दिन के समय सक्रिय)।
- **मान्यता:**
  - इसे **पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश का राज्य पशु घोषित किया गया है।**
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - हिंदू धर्म में यह **पवित्रता का प्रतीक है** क्योंकि इसकी खाल और सींग पवित्र माने जाते हैं। **बौद्ध धर्म में यह सौभाग्य का प्रतीक है।**
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972**: अनुसूची I
  - **IUCN स्थिति:** कम चिंताजनक
  - **CITES:** परिशिष्ट III
- **धमकी:**
  - पर्यावास या आवास विखंडन, **वनों की कटाई, प्राकृतिक आपदाएँ**, अवैध शिकार।
- **संबंधित संरक्षित क्षेत्र:**
  - वेलावदर ब्लैकबक अभयारण्य- गुजरात
  - प्वाइंट कैलिमेरे वन्यजीव अभयारण्य- तमिलनाडु
  - वर्ष 2017 में, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने प्रयागराज के पास यमुना पार बेल्ट में **ब्लैकबक कंज़र्वेशन रिज़र्व** स्थापित करने की योजना को मंज़ूरी दी। यह **ब्लैकबक को समर्पित पहला संरक्षण रिज़र्व होगा।**
  - **ताल छापर अभयारण्य**- राजस्थान

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/blackbook-killed-in-sirsa